हिस्सेदारी बेचने की खबर के बाद आईटीसी के शेयर पर टूटे निवेशक, 6 फीसद से अधिक की उछाल

नई दिल्ली.सिगरेट से आटा तक बनाने वाली कंपनी आईटीसी की हिस्सेदारी बेचने की योजना खबरों के बाद आज उसके शेयर खरीदने की होड़ लगी है। बाजार खुलते ही यह 6 फीसद से अधिक ऊपर 435 रुपये पर खुला और देखते ही देखते 438 रुपये पर पहुंच गया। सुबह 9:25 बजे के करीब यह 5.33 फीसद ऊपर 426 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।बता दें ब्रिटेन की बहुराष्ट्रीय कंपनी ब्ब्ध पीएलसी ने मंगलवार को कहा कि वह थोक सौदे के जरिये संस्थागत निवेशकों को भारत की आईटीसी लिमिटेड की 3.5 पर्सेंट तक हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। मंगलवार के 404.25 रुपये प्रति शेयर के बंद भाव के आधार पर बीएटी द्वारा बेचे जाने वाले कुल आईटीसी शेयरों का मूल्य लगभग 17,659.72 करोड़ रुपये बैठेगा।

इस साल अबतक आईटीसी का खराब प्रदर्शन

इस साल अबतक आईटीसी का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा। इस अवधि में इसने 8.82 फीसद का नुकसान कराया है। हालांकि, पिछले एक साल में इसने 11 फीसद से अधिक पॉजीटिव रिटर्न भी दिया है। हालांकि, शुरुआत से अब तक इसने 2414 पर्सेंट का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इसका 52 हफ्ते का हाई 499.70 रुपये और लो 369.65 रुपये है।आईटीसी लि. में सबसे बड़ी शेयरधारक ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको पीएलसी ने बयान में कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी टोबैको मैन्युफैक्चरर्स (इंडिया) लिमिटेड (TMI) आईटीसी लिमिटेड (ITC) में संस्थागत निवेशकों को 43,68,51,457 साधारण शेयर बेचने का इरादा रखती है। बीएटी के पास उपभोक्ता वस्तुओं का बड़ा रेंज है।

इसके रणनीतिक पोर्टफोलियो में वैश्विक सिगरेट ब्रांड और निकोटीन और धुआं रहित तंबाकू उत्पादों की बढ़ती श्रृंखला शामिल है। (डिस्क्लेमर विशेषज्ञों द्वारा दी गई सिफारिशें, सुझाव, विचार और राय उनके अपने हैं, लाइव हिन्दुस्तान के नहीं। यहां सिर्फ शेयर के परफॉर्मेंस की जानकारी दी गई है, यह निवेश की सलाह नहीं है। शेयर बाजार में निवेश जोखिमों के अधीन है और निवेश से पहले अपने एडवाइजर से परामर्श कर लें।)

Zomato का भाव जाएगा 200 रुपये! एक्सपर्ट बुलिश, 1 साल में पैसा डबल

नई दिल्ली.फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो के निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म एचएसबीसी ने टारगेट प्राइस बढ़ा दिया है। ब्रोकरेज फर्म स्टॉक को लेकर बुलिश नजर आ रहा है। हालांकि, शेयर बाजार में भारी गिरावट का असर जोमैटो के शेयरों पर भी देखने को मिला है। कंपनी के शेयर बुधवार को 3 बजे के करीब 4.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 149 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

क्या है नया टारगेट प्राइस?

एचएसबीसी का मानना है कि भारत में डिजीटल खर्च बढ़ने वाला है। जिसका फायदा जोमैटो को भी मिलेगा। ब्रोकरेज फर्म ने जोमैटो को 'बाय' टैग दिया है। फर्म का मानना है कि फूड डिलीवरी सेगमेंट में जोमैटो अपनी बढ़त को बरकरार रखने में सफल रहेगा। साथ क्विक कॉमर्स सेगमेंट में आगे बढ़ने की क्षमता है। एचएसबीसी ने टारगेट प्राइस को 163 रुपये से बढ़ाकर 200 रुपये प्रति शेयर कर दिया है।

ब्रोकरेज ब्लिंकिट बिजनेस को लेकर काफी आशावादी बने हुए हैं। फर्म का मानना है कि आने वाले क्वार्टर्स में कंपनी फायदे में कारोबार करने लगेगी। कंपनी के ऑर्डर ग्रोथ रेट को 21.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 25.4 प्रतिशत कर दिया गया है। एचएसबीसी का मानना है कि ब्लिंकिट का विज्ञापन से होने वाले रेवन्यू में अगले 5 साल के दौरान तेज इजाफा होगा।

1 साल में पैसा किया डबल

पिछले 3 महीने के दौरान जोमैटो के शेयरों की कीमतों में 27 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है।

सोलर पंप सप्लाई के लिए मिला 73 करोड़ रुपये का ऑर्डर, 1 साल में 180% चढ़ा है यह शेयर

नई दिल्ली.शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड को पंप्स की सप्लाई करने के लिए 73 करोड़ रुपये का वर्क ऑर्डर मिला है। शक्ति पंप्स को यह ऑर्डर हरियाणा रिन्यूएबल एनर्जी डिपार्टमेंट (HAREDA) से मिला है। शक्ति पंप्स ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया है कि कंपनी को चस्रू3 स्कीम के तहत हरियाणा रिन्यूएबल एनर्जी डिपार्टमेंट से मिला यह चौथा वर्क ऑर्डर है। शक्ति पंप्स के शेयर बुधवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 1162.45 रुपये के स्तर पर रहे हैं।

2130 पंप्स की सप्लाई करेगी कंपनी

शक्ति पंप्स ने बताया है कि हरियाणा रिन्यूएबल एनर्जी डिपार्टमेंट की तरफ से मिले ऑर्डर में सोलर वाटर पंपिंग सिस्टम्स

के लिए 2130 पंप्स की सप्लाई, इंस्टालेशन और कमीशनिंग का काम शामिल है। कॉन्ट्रैक्ट इश्यू करने की तारीख से 120 दिनों के भीतर इस ऑर्डर को पूरा किया जाना है। कंपनी ने बताया है कि इस ऑर्डर की वैल्यू 73.32 करोड़ रुपये है, जिसमें जीएसटी भी शामिल है। शक्ति पंप्स ने इस साल जनवरी में क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशंस प्लेसमेंट (QIP) रूट के जरिए 200 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

एक साल में शेयरों में 180त्न की तेजी

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के शेयरों में पिछले एक साल में जबरदस्त तेजी आई है। शक्ति पंप्स के शेयर पिछले एक साल में करीब 180 पर्सेंट चढ़ गए हैं। शक्ति पंप्स के शेयर 13 मार्च 2023 को 415.75 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 13 मार्च 2024 को 1162.45 रुपये पर बंद हुए हैं। शक्ति पंप्स के शेयरों में पिछले 6 महीने में 47 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

अगर आप नौकरी ढूंढ रहे हैं तो गुड न्यूज है, जून तिमाही में तेज भर्ती की योजना बना रहीं कंपनियां

नई दिल्ली.भारत में नियोक्ता आगामी जून तिमाही में तेजी से भर्ती की योजना बना रहे हैं। मैनपावरग्रुप के लेटेस्ट जॉब्स आउटलुक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में 36 प्रतिशत कंपनियां अगली तिमाही में और अधिक कर्मचारियों को भर्ती करने की योजना बना रही हैं।इस सर्वेक्षण पर आधारित रिपोर्ट मंगलवार को जारी हुई। इसमें लगभग 3,150 नियोक्ताओं के साथ बातचीत की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के 42 देशों के बीच सबसे मजबूत नियुक्ति परिदृश्य भारत का है। समीक्षाधीन अवधि में 50 प्रतिशत नियोक्ताओं ने वेतन वृद्धि की बात कही, 14 प्रतिशत ने कमी की आशंका जताई, जबकि 33 प्रतिशत कोई बदलाव नहीं होने की उम्मीद कर रहे हैं।

42 देशों के बीच सबसे मजबूत नियुक्ति परिदृश्य भारत का

मैनपावरग्रुप ने बयान में कहा, भारत 36 प्रतिशत के शुद्ध रोजगार परिदृश्य के साथ दुनियाभर के देशों की सूची में शीर्ष पर है। कंपनियां भर्ती के दौरान प्रतिभाओं की कमी से जूझ रही हैं। अप्रैल-जून, 2023 के मुकाबले भारत का शुद्ध रोजगार परिदृश्य छह प्रतिशत मजबूत हुआ है।

वाणिज्यिक दल के कई सदस्यों ने इस्तीफा दिया- स्पाइसजेट

स्पाइसजेट ने मंगलवार को कहा कि एयरलाइन में रणनीतिक पुनर्गठन के तहत उसके वाणिज्यिक दल के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि एयरलाइन के मुख्य परिचालन अधिकारी अरुण कश्यप और मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी शिल्पा भाटिया ने अपना इस्तीफा दे दिया है।

किस राज्य की जनता पर पड़ रही महंगाई की सबसे अधिक मार, कौन है मौज में?

नई दिल्ली.फरवरी में खुदरा महंगाई दर में मामूली कमी आई है, लेकिन गुजरात, आंध्र प्रदेश, असम, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, ओडिशा और राजस्थान सहित 12 राज्यों में अखिल भारतीय औसत से अधिक खुदरा मुद्रास्फीति दर्ज की गई। फरवरी में ओडिशा में खुदरा महंगाई दर 7.55त्न पर सबसे अधिक थी। जबकि दिल्ली में सबसे कम 2.42त्न थी।मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक खुदरा महंगाई दर घटकर 5.09 पर्सेंट पर आ गई है, जो जनवरी 2024 में 5.10 पर्सेंट रही थी। वहीं, यह दर दिसंबर 2023 में 5.69 पर्सेंट पर रही थी।

हालांकि, फरवरी 2024 में खाद्य महंगाई दर में मामूली इजाफा देखने को मिला है। फरवरी में खाद्य महंगाई दर 8.66 पर्सेंट रही, जो जनवरी में 8.30 पर्सेंट रही थी।गौरतलब है कि खाद्य महंगाई दर ने ही भारतीय रिजर्व बैंक की चिंता को बढ़ा रखा है। खुदरा महंगाई दर में भले ही कमी आई हो, लेकिन खाद्य महंगाई दर में उछाल आया है। आरबीआई को खुदरा मुद्रास्फीति दो पर्सेंट घट-बढ़ के साथ चार पर्सेंट पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है।आरबीआई के तमाम प्रयासों के बावजूद खुदरा महंगाई दर लगातार 5 फीसद के आसपास बनी हुई है। केंद्रीय बैंक ने पिछले महीने मौद्रिक नीति समीक्षा में मुद्रास्फीति के 2023-24 में 5.4 पर्सेंट रहने का अनुमान जताया था।फरवरी के खुदरा महंगाई के आंकड़ों के मुताबिक खाद्य महंगाई दर 8.30त्न से बढ़कर 8.66त्न पर आ गई। इसके अलावा ग्रामीण महंगाई दर बिना किसी बदलाव के 5.34त्न रही है। साथ ही शहरी महंगाई दर 4.92त्न से घटकर 4.78त्न पर आ गई।

एक ग्राहक के तौर पर आप और हम रिटेल मार्केट से सामान खरीदते हैं। इससे जुड़ी कीमतों में हुए बदलाव को दिखाने का काम कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स यानी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक करता है। हम सामान और सेवाओं के लिए जो औसत मूल्य चुकाते हैं, यह सूचकांक उसी को मापता है।कच्चा तेल, कमोडिटी की कीमत, विनिर्माण लागत के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जिनकी खुदरा महंगाई दर तय करने में अहम भूमिका होती है। करीब 300 सामान ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर खुदरा महंगाई की दर तय होती है।

लिस्टिंग पर बड़ा नुकसान, पहले ही दिन निवेशकों के डूब गए पैसे, 201 पर आ गया शेयर

नई दिल्ली.जेजी केमिकल्स आईपीओ लिस्टिंग की तारीख आज (बुधवार, 13 मार्च) है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई पर हुई है। जेजी केमिकल्स के शेयरों की कमजोर लिस्टिंग हुई है। कंपनी के शेयर ब्ह्स्श्व पर 4.52त्न डिस्काउंट के साथ 211 रुपये पर लिस्ट हुए। वहीं, ह्स्श्व पर यह शेयर 209 पर लिस्ट हुआ, जो कि आईपीओ प्राइस से 5.43त्न कम है। आपको बता दें कि जेजी केमिकल्स आईपीओ का प्राइस बैंड 210-221 रुपये प्रति शेयर था। लिस्टिंग के बाद बीएसई पर यह शेयर 9 पर्सेंट तक गिर गया और 201 रुपये पर पहुंच गया।

निवेशकों का कैसा था रिस्पॉन्स

बता दें कि जेजी केमिकल्स को तीन दिवसीय बोली प्रक्रिया के दौरान अपने आईपीओ के लिए अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। इसे कुल मिलाकर 27.78 गुना सब्सक्राइब किया गया था। गैर-संस्थागत बोलीदाताओं के लिए रिजर्व कोटा 46.33 गुना सब्सक्राइब किया गया था, जबकि योग्य संस्थागत बोलीदाताओं के लिए आरक्षित कोटा 32.09 गुना बुक किया गया था। रिटेल निवेशकों के लिए आरक्षित हिस्से को 17.44 गुना सब्सक्राइब किया गया था। कोलकाता स्थित जिंक ऑक्साइड कंपनी ने अपनी शुरुआती हिस्सेदारी बिक्री के जरिए से 251.19 करोड़ रुपये जुटाए थे। इसमें 165 करोड़ रुपये के फ्रेश शेयर और 39,00,000 शेयरों तक के OFS शामिल थे।

कंपनी के बारे में

जेजी केमिकल्स की स्थापना 1975 में हुई थी और यह भारत में 80 से अधिक ग्रेड के जिंक ऑक्साइड का प्रोडक्शन करती है। इसके प्रोडक्ट्स में सिरेमिक, पेंट और कोटिंग्स, फार्मा और सौंदर्य प्रसाधन, इलेक्ट्रॉनिक्स और बैटरी, कृषि रसायन, उर्वरक, विशेष रसायन, स्नेहक, तेल और गैस और पशु चारा सहित विभिन्न औद्योगिक अनुप्रयोग हैं।

मालामाल करने वाला एनर्जी शेयर अब कर रहा कंगाल, एक्सपर्ट्स ने दिया यह सुझाव

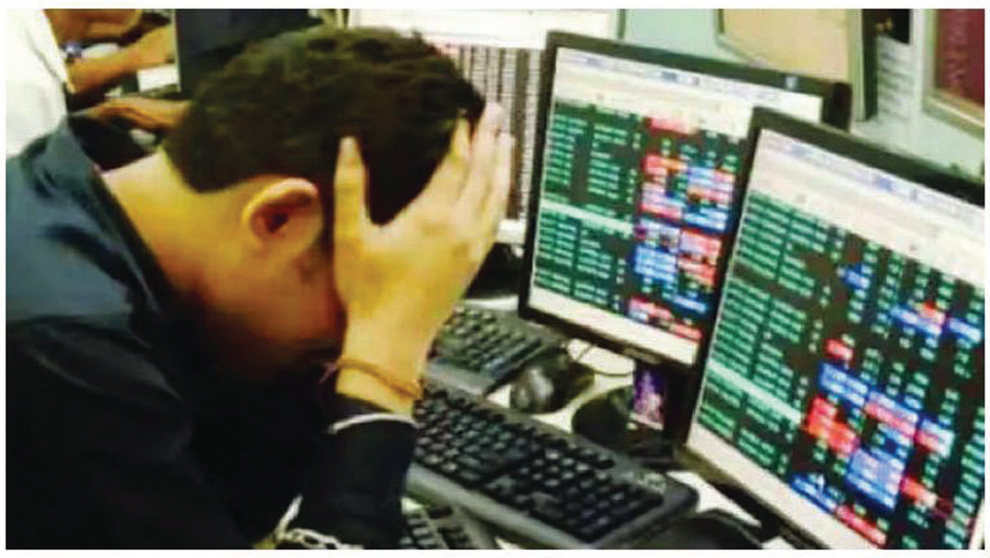

स्वॉन एनर्जी के शेयर पिछले 5 दिन में 27 पर्सेंट से अधिक टूट चुके हैं। पिछले एक महीने से निवेशकों का नुकसान करा रहे इस स्टॉक ने छप्परफाड़ रिटर्न भी दिया है।

नई दिल्ली. स्वान एनर्जी लिमिटेड के शेयर मंगलवार को एनएसई पर 20 पर्सेंट गिरकर 535.90 रुपये के निचले स्तर पर बंद हुए।

इस गिरावट के बावजूद स्वॉन एनर्जी पिछले छह महीनों में 90 फीसद से अधिक उछला है। हालांकि, मार्केट एनॉलिस्ट इसको लेकर बेयरिश हैं और उन्होंने कहा है कि दैनिक चार्ट पर काउंटर कमजोर दिख रहा है।तीन साल में करीब साढ़े तीन गुना हुआ पैसा स्वॉन एनर्जी के शेयर पिछले 5 दिन में 27 पर्सेंट से अधिक टूट चुके हैं। पिछले एक महीने से निवेशकों का नुकसान करा रहे इस स्टॉक ने छप्परफाड़ रिटर्न भी दिया है। पिछले छह महीने में इसने 90 फीसद और पिछले 5 साल में 426 फीसद से अधिक का रिटर्न दिया है। अगर पिछले तीन साल की बात करें तो यह करीब साढ़े तीन गुना उछला है। 12 मार्च 2021 को यह 143.45 रुपये का था और अब 535.90 रुपये पर है।

किसने क्या कहा

डीआरएस फिनवेस्ट के संस्थापक रवि सिंह ने कहा, डेली चार्ट पर स्टॉक कमजोर दिख रहा है और 520 रुपये के स्तर तक फिसल गया है। प्रतिरोध 610 रुपये के जोन में होगा। 495 रुपये तक गिर सकता है भाव टिप्स2ट्रेड्स के एआर रामचंद्रन ने कहा, डेली चार्ट पर इस शेयर की कीमत 676 रुपये पर मजबूत प्रतिरोध के साथ मंदी रही है। 551 रुपये के सपोर्ट के नीचे बंद होने से निकट अवधि में 495 रुपये तक गिर सकता है।

500 और 640 रुपये के बीच रहेगा भाव

आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स में वरिष्ठ प्रबंधक व तकनीकी अनुसंधान विश्लेषक जिगर एस पटेल ने कहा, सपोर्ट 525 रुपये पर होगा और रेजिस्टेंट 616 रुपये पर होगा। 616 रुपये के स्तर के ऊपर बंद हुआ तो 640 रुपये तक आगे बढ़ सकता है। एक महीने के लिए अपेक्षित ट्रेडिंग रेंज 500 और 640 रुपये के बीच होगी।

स्वॉन एनर्जी का ऐलान इस महीने की शुरुआत में स्वान एनर्जी ने घोषणा की है कि उसकी सहायक कंपनी स्वान एलएनजी प्राइवेट लिमिटेड (एसएलपीएल) ने बैंकों के संघ को ब्याज सहित 2,206 करोड़ रुपये का पूरा लोन चुका दिया है।

प्री-पेमेंट के साथ, एसएलपीएल ब्याज भुगतान में लगभग 250 करोड़ रुपये बचाएगा। इससे स्वान ग्रुप की बैलेंस शीट मजबूत होगी, जिससे संभावित अपग्रेड और री-रेटिंग हो सकेगी।

यह फंड हाउस मिड और स्मॉल-कैप फंडों में कोई नया निवेश नहीं करेगा स्वीकार

आईसीआईसीआई प्रू ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि वह 14 मार्च से अगली सूचना तक मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंडों में कोई नया निवेश स्वीकार नहीं करेगा।

नई दिल्ली.आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड 14 मार्च से अगली सूचना तक मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंडों में कोई नया निवेश स्वीकार नहीं करेगा। आई-प्रू एमएफ उन फंड हाउसों की लंबी लिस्ट में शामिल हो गया है, जिन्होंने पिछले कुछ महीनों में स्मॉल-कैप फंडों में निवेश बंद कर दिया हैकुछ फंड हाउसों ने मिड-कैप फंडों में भी निवेश रोक दिया है।

यह फैसला इन फंडों में निवेशकों को बाजार के इस सेगमेंट के शेयरों में अचानक गिरावट की स्थिति में बाजार की अत्यधिक अस्थिरता और होने वाले नुकसान से बचाने के लिए किया गया है। बता दें सोमवार को सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच ने भी हाई वैल्युएशन का हवाला देते हुए मिड और स्मॉल-कैप फंडों में खतरा बढ़ने की बात कही थी।

सेबी ने एम्फी के माध्यम से फंड हाउसों को निवेशकों की सुरक्षा के लिए इन सेगमेंट से संबंधित योजनाओं से संबंधित अपने जोखिम प्रबंधन तंत्र को मजबूत करने के लिए सचेत किया था। सेबी चेयरपर्सन ने यह भी घोषणा की है कि नियामक वर्तमान में मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंडों के लिए मैकेनिज्म का परीक्षण कर रहा है और परिणाम इस शुक्रवार को आएंगे। स्विच-इन विकल्प भी सस्पेंड मंगलवार को आई-प्रू एमएफ ने कहा कि वह एकमुश्त मोड के माध्यम से इन दोनों फंडों में नई और अतिरिक्त खरीद को निलंबित कर रहा है। फंड हाउस की किसी भी अन्य योजना से स्विच-इन विकल्प भी सस्पेंड कर रहा है। हालांकि, एसआईपी मोड और सिस्टमेटिक ट्रांसफार प्लान के माध्यम से नए पंजीकरण जारी रहेंगे, लेकिन प्रत्येक योजना में ऊपरी सीमा 2 लाख रुपये प्रति पैन प्रति माह होगी। तिमाही एसआईपी में यह सीमा बढ़ाकर 6 लाख रुपये कर दी गई है, जबकि दैनिक एसआईपी में इसे 10,000 रुपये कर दिया गया है। फंड हाउस ने यह भी कहा कि कुछ स्पेशल प्रोडक्ट और सर्विसेज जैसे फ्रीडम एसआईपी, एसआईपी टॉप-अप सुविधा, बूस्टर एसआईपी योजनाओं में रजिस्टर्ड नए एसआईपी/एसटीपी के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।